वर्तमान बज़ट के अव्यव का सारांश (Summary of present components of Budget)

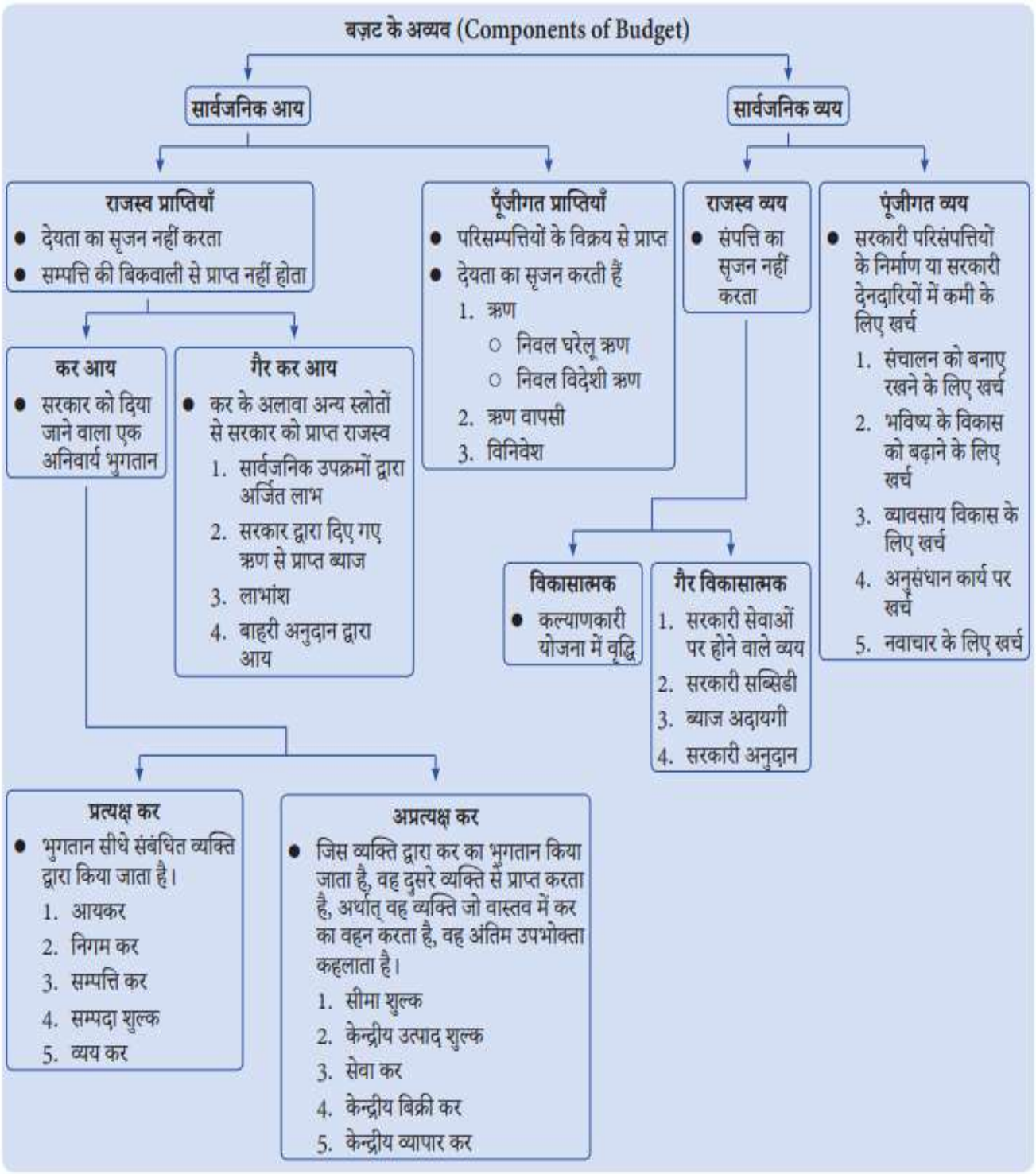

राजस्व प्राप्तियों तथा पूँजीगत प्राप्तियों में अन्तर (Difference between Revenue Receipts and Captial Receipts)		
क्र.	राजस्व प्राप्तियाँ (Revenue Receipts)	पूँजीगत प्राप्तियाँ (Capital Receipts)
1	सरकार की हर वह प्राप्ति जो किसी भी प्रकार की देयता (Liability) का सृजन ना करे।	सरकार की हर वह प्राप्तियाँ जो देयता (Liability) का सृजन करती है।
2	राजस्व प्राप्तियाँ भावी पीढ़ी के लिए कोई कर भार उत्पन्न नहीं करती हैं। उदाहरण - वस्तु और सेवाओं की बिक्री से प्राप्तियाँ, लेनदारों या आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त छूट आदि।	पूँजीगत प्राप्तियाँ भावी पीढ़ी के लिए कर दायित्व उत्पन्न कर सकती हैं। उदाहरण - उधार लिया गया ऋण अपनी अदायगी के लिए भावी पीढ़ी के लिए दायित्व होता है।
3	राजस्व प्राप्तियों का उच्च स्तर (जैसे-कर प्राप्तियाँ) अर्थव्यवस्था की बेहतर वित्तीय स्थिति को प्रकट करता है।	पूँजीगत प्राप्तियों का उच्च स्तर (जैसे-उधार तथा विनिवेश) अर्थव्यवस्था की कमजोर वित्तीय स्थिति को प्रकट करता है।

Competition

Difference between Revenue Receipts and Captial Receipts		
No.	Revenue Receipts	Capital Receipts
1	Every receipt of the government that does not create any kind of liability.	All the receipts of the government that create Liability.
2	Revenue receipts do not generate any tax burden for future generations. Examples - Receipts from sale of goods and services, discounts from creditors or suppliers, etc.	Capital receipts can generate tax liability for future generations. Example - A loan borrowed is a liability to future generations for its repayment.
3	Higher levels of revenue receipts (eg tax receipts) reveal better financial position of the economy.	The high level of capital receipts (eg lending and disinvestment) reflects the weak financial condition of the economy.

Competition